ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–९५
दिनांक– मंगलवार, २० दिसम्बर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.6 एवं 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 969 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 64 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 13.3 एवं दोपहर में 24.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(21–25 दिसम्बर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 21–25 दिसम्बर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ रहने की सम्भावना है। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। रात्री एवं सुबह में हल्की से मध्यम कुहासा छा सकता है।
- अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव आने की सम्भावना नहीं है और यह सामान्य या सामान्य से 1–2 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। न्यूनतम में हल्की वृद्धि के साथ 11–13 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की सम्भावना है जो कि सामान्य से 2–3 डिग्री सेल्सियस अधिक है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। औसतन 4–8 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- गेहूँ की फसल में खर–पतवार नियंत्रण की सबसे उपयुक्त अवस्था बोआई के 30 से 35 दिनों बाद होती है। गेहूँ में उगने वाले सभी प्रकार के खरपतवार के नियंत्रन हेतु पहली सिंचाई के बाद सल्फोसल्फयुरॉन 33 ग्रम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन 20 ग्रम प्रति हेक्टर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में छिड़काव करें। ध्यान रहें छिड़काव के वक्त खेत में प्रयाप्त नमी हों।
- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई 25 दिसम्बर से पहले संपन्न कर लें। इसके लिए एच0डी0 2733, एच0यू0डब्लू0 468, डब्लू0आर0 544, डी0बी0डब्लू0 39, एच0डी0 2967 तथा एच0डब्लू0 2045 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुषसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस 20 ई0सी0 दवा का 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 20 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 150 किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए 125 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेतों की हल्की सिंचाई अवश्य करें ताकि बीजों का समुचित जमाव सुनिश्चित हो सके।
- अगात बोयी गई रबी मक्का की 50–55 दिनों की फसल में 50 किलोग्राम नत्रजन का उपरिवेशन कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।
- गत माह रोप की गयी आलू की फसल में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करे। इस कीट के पिल्लू टमाटर को बहुत अधिक नुकसान पहुचाते है। ये कच्चे तथा पके टमाटरो में छेद करके उनके अन्दर घुस कर गुदा खाते है। कीट के मल–मूत्र के कारण फल में सड़न प्रारंभ हो जाती है जिससे उत्पादन में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव हेतु 8–10 फेरोमौन ट्रैप प्रति हेक्टेयर खेत में लगाये। ब्यूभेरिया बेसियाना जैविक कीटनाशी का 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी या इन्डोक्साकार्ब 14.5 एस0सी0 1 मि0ली0 प्रति 2.5 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करे।
- सब्जियों में निकाई–गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। कीट–व्याधी की निगरानी करें। मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए 1 प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव करें।
- चना की फसल में चना की सुंडी की निगरानी करें। इस कीट से फसल को काफी हानी होती है। शुरु में यह सुंडी चने की पत्तियों एवं कोमल टहनीयों को क्षती पहुँचाती है। फलिया आ जाने पर सुंडी फलों में छेद कर घुस जाती है तथा अन्दर ही अन्दर दाने को खाती रहती है। फलियाँ खोखला हो जाने पर दूसरे स्वस्थ फलियों को खाती है। खेत में इसे चने के फलियों में आधी अन्दर तथा आधी बाहर की ओर लटका देखा जा सकता है। अत्यधिक प्रक्रोप की स्थिती में प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 600 से 800 लीटर पानी में मिलाकर फसल पर छिड़काव करें।
- प्याज के 50–55 दिनों के तैयार पौध की पाँक्ति से पँक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपाई करे।

आज का अधिकतम तापमानः 24.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 10.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)